



Mr. Gorav



Ms. Hinsi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120994101

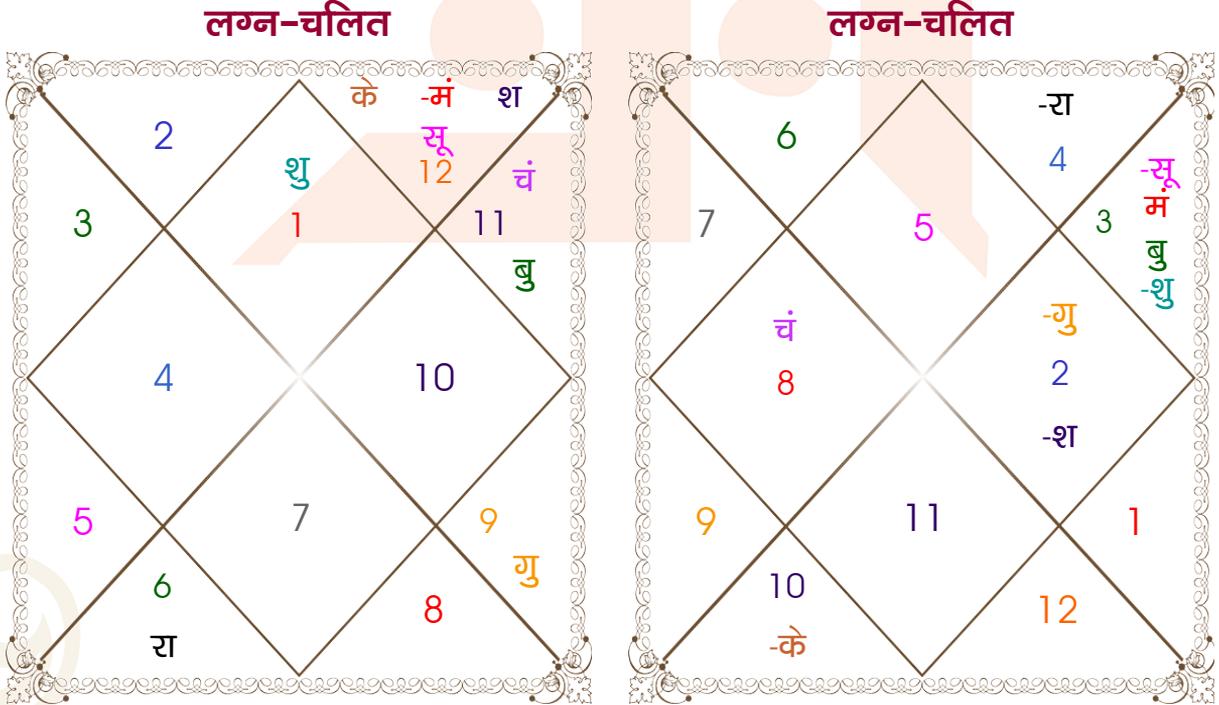
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
17/03/1996 :	जन्म तिथि	: 15/06/2000
रविवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 09:00:00 :	जन्म समय	: 11:40:00 घंटे
घटी 06:49:55 :	जन्म समय(घटी)	: 15:35:12 घटी
India :	देश	: India
Balaghat :	स्थान	: Thandla
21:48:00 उत्तर :	अक्षांश	: 23:00:00 उत्तर
80:16:00 पूर्व :	रेखांश	: 74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:56 :	स्थानिक संस्कार	: -00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:16:01 :	सूर्योदय	: 05:45:56
18:18:49 :	सूर्यास्त	: 19:18:03
23:48:21 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:32
मेष :	लग्न	: सिंह
मंगल :	लग्न लग्नाधिपति	: सूर्य
कुम्भ :	राशि	: वृश्चिक
शनि :	राशि-स्वामी	: मंगल
धनिष्ठा :	नक्षत्र	: अनुराधा
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: शनि
3 :	चरण	: 3
सिद्ध :	योग	: साध्य
गर :	करण	: गर
गू-गूजरमल :	जन्म नामाक्षर	: नू-नूतन
मीन :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मिथुन
शूद्र :	वर्ण	: विप्र
मानव :	वश्य	: कीटक
सिंह :	योनि	: मृग
राक्षस :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: सर्प

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 3मा 2दि	23:25:53	मेष	लग्न	सिंह	18:40:17	शनि 6वर्ष 5मा 23दि
गुरु	03:01:18	मीन	सूर्य	मिथु	00:35:21	केतु
18/06/2016	02:22:10	कुंभ	चंद्र	वृश्चि	12:07:09	08/12/2023
18/06/2032	00:20:40	मीन	मंगल	मिथु	05:17:32	08/12/2030
गुरु 07/08/2018	22:41:25	कुंभ	बुध	मिथु	23:38:14	केतु 05/05/2024
शनि 17/02/2021	20:23:03	धनु	गुरु	वृष	02:53:01	शुक्र 05/07/2025
बुध 26/05/2023	18:18:37	मेष	शुक्र	मिथु	01:37:58	सूर्य 10/11/2025
केतु 01/05/2024	03:35:12	मीन	शनि	वृष	01:00:55	चन्द्र 11/06/2026
शुक्र 31/12/2026	23:24:52	कन्या व	राहु व	कर्क	01:00:19	मंगल 07/11/2026
सूर्य 19/10/2027	23:24:52	मीन व	केतु व	मक	01:00:19	राहु 26/11/2027
चन्द्र 17/02/2029	09:39:46	मक	हर्ष व	मक	26:47:27	गुरु 01/11/2028
मंगल 24/01/2030	03:26:25	मक	नेप व	मक	12:20:58	शनि 11/12/2029
राहु 18/06/2032	09:16:25	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	17:19:11	बुध 08/12/2030

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

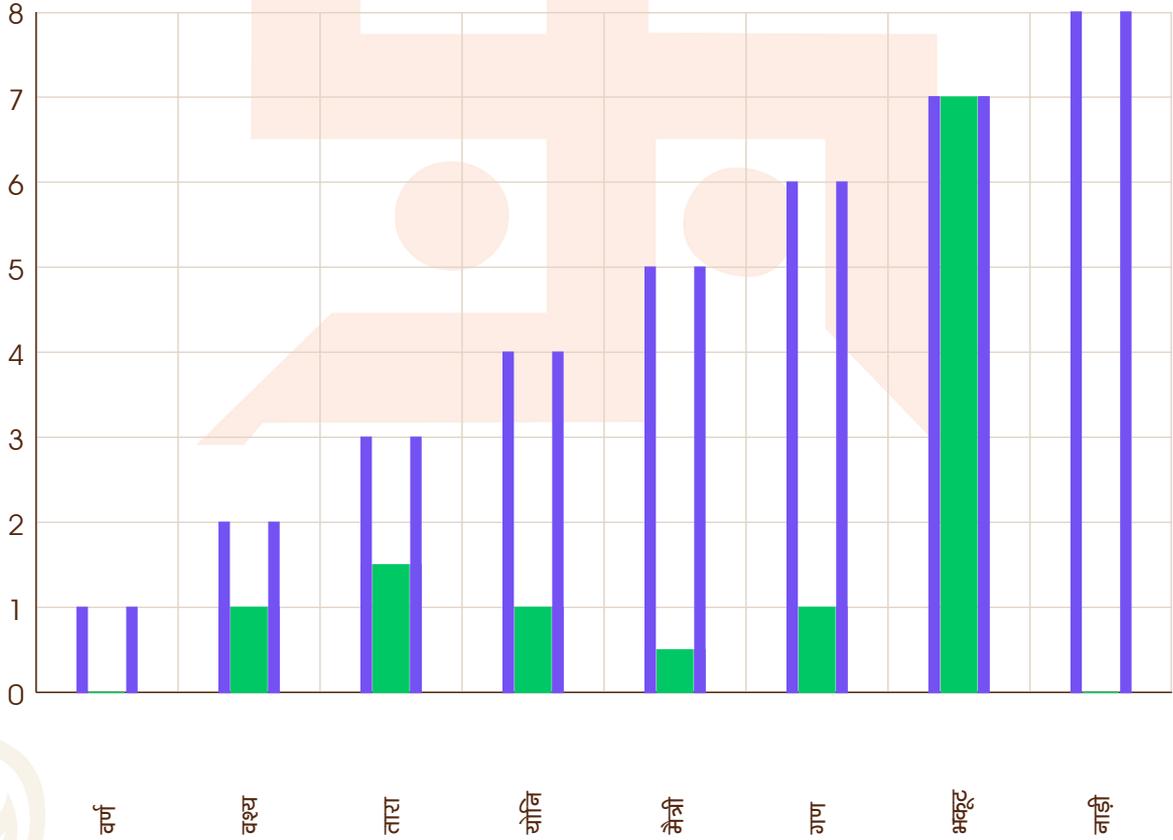
23:48:21 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:32



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>12.00</b>		

कुल : 12 / 36



## अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Mr.Gorav का वर्ग मार्जार है तथा Ms.Hindsi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Gorav और Ms.Hindsi का मिलान ठीक नहीं है।

### मंगलीक दोष मिलान

Mr.Gorav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Ms.Hindsi मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।  
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Hindsi कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Hindsi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Gorav तथा Ms.Hindsi में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

Mr.Gorav का वर्ण शूद्र है तथा Ms.Hindsi का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms.Hindsi का वर्ण Mr.Gorav के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Ms.Hindsi हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Mr.Gorav के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

### वश्य

Mr.Gorav का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Ms.Hindsi का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप Mr.Gorav एवं Ms.Hindsi दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

### तारा

Mr.Gorav की तारा वध तथा Ms.Hindsi की तारा क्षेम है। Mr.Gorav की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.Gorav बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Mr.Gorav को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ms.Hindsi लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

### योनि

Mr.Gorav की योनि सिंह है तथा Ms.Hindsi की योनि मृग है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से

काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Gorav का राशि स्वामी Ms.Hindsi के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ms.Hindsi का राशि स्वामी Mr.Gorav के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

### गण

Mr.Gorav का गण राक्षस तथा Ms.Hindsi का गण देव है। अर्थात् Ms.Hindsi का गण Mr.Gorav के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Mr.Gorav निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Mr.Gorav का Ms.Hindsi के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Ms.Hindsi हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

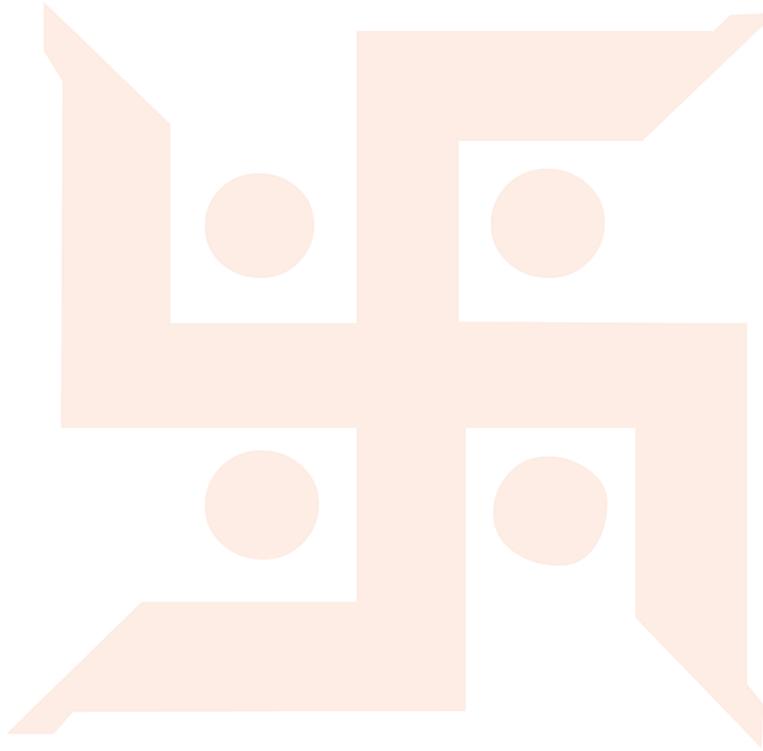
### भकूट

Mr.Gorav से Ms.Hindsi की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Ms.Hindsi से Mr.Gorav की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.Gorav एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Ms.Hindsi को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Ms.Hindsi हमेशा अपने पति की परछाई बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

### नाड़ी

Mr.Gorav की नाड़ी मध्य है तथा Ms.Hindsi की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Mr.Gorav एवं Ms.Hindsi का विवाह

अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



## मेलापक फलित

### स्वभाव

Mr.Gorav की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Ms.Hindsि की जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं जलतत्व में असमानता के कारण इनमें स्वभावगत विषमताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता नहीं होगी तथा वैवाहिक सुख भी अच्छा नहीं होगा। अतः यह मिलान विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।

Mr.Gorav की जन्म राशि का स्वामी शनि तथा Ms.Hindsि की राशि का स्वामी मंगल परस्पर सम एवं शत्रुराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Mr.Gorav और Ms.Hindsि के दाम्पत्य संबंधों में विशेष अनुकूलता नहीं होगी तथा परस्पर प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति के भाव का भी अभाव रहेगा। अतः सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग अल्प ही प्रदान करेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर कलह विवाद एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। अतः दाम्पत्य जीवन में सुख एवं शांति का अभाव रहेगा।

Mr.Gorav और Ms.Hindsि की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा शुभ फलों में वृद्धि होगी। अतः एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं अपनत्व के भाव में वृद्धि होगी तथा सुख दुख में एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr.Gorav का वश्य मानव तथा Ms.Hindsि का वश्य कीट है। मानव तथा कीट की परस्पर असमानता के कारण इनकी अभिरुचियों में विषमता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न होंगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे संबंधों में तनाव का भाव रहेगा।

Mr.Gorav का वर्ण शूद्र तथा Ms.Hindsि का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमता में अंतर रहेगा। Mr.Gorav की प्रवृत्ति किसी भी कार्य को करने में रहेगी जबकि Ms.Hindsि शैक्षणिक धार्मिक तथा अन्य कार्यों को करने में तत्पर रहेंगी।

### धन

Mr.Gorav और Ms.Hindsि की तारा सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। इन पर भकूट का प्रभाव भी सम ही होगा लेकिन Mr.Gorav पर मंगल का अशुभ प्रभाव रहेगा जिसके प्रभाव से समय समय पर आर्थिक उतार चढ़ाव का सामना कर सकते हैं। साथ ही लाभ एवं आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे।

इसके अतिरिक्त Mr.Gorav की प्रवृत्ति अनावश्यक रूप से व्यय करने की भी होगी

जिसका आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अतः उन्हें चाहिए कि अनावश्यक व्यय की इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें तभी उनकी आर्थिक स्थिति अनुकूल रह सकती है।

### स्वास्थ्य

Mr.Gorav और Ms.Hindsi दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे Mr.Gorav और Ms.Hindsi दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Ms.Hindsi के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबंधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

### संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.Gorav और Ms.Hindsi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.Gorav और Ms.Hindsi के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.Hindsi के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.Hindsi को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.Hindsi को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.Gorav और Ms.Hindsi सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.Gorav और Ms.Hindsi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

### ससुराल-सुश्री

Ms.Hindsi के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Ms.Hindsi यत्नपूर्वक

सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Ms.Hindsi को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होंगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Ms.Hindsi को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

### ससुराल-श्री

Mr.Gorav की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr.Gorav सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr.Gorav ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr.Gorav के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।